मुख्यमंत्री भजनलाल ने कोलकाता में प्रवासियों के साथ राउण्ड टेबल मीटिंग की

उन्होंने माइन्स मिनरल्स कैमिकल्स, टैक्सटाइल्स, आईटी और शेखावाटी हवेली पर विस्तार से चर्चा की

जयपुर/कोलकाता, 28 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कोलकाता में प्रवासी राजस्थानी मीट के दौरान माइन्स और मिनरल्स, केमिकल्स, टेक्सटाइल एवं होजरी, आईटी और शेखावाटी हवेलियों पर केन्द्रित सेक्टोरल राउंडटेबल की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने राजस्थान के तेजी से बदलते औद्योगिक परिदृश्य के बारे में उद्यमियों, निवेशकों और प्रवासी राजस्थानियों को विस्तृत रूप से जानकारी दी।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी निवेशकों से कहा कि बालोतरा में महत्वपूर्ण रेयर अर्थ एलिमैंट्स के भंडार की खोज ने राजस्थान में औद्योगिक विकास के नये युग की शुरुआत की है।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कोलकाता में प्रवासी राजस्थानी मीट के दौरान विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के उद्यमियों और निवेशकों के साथ राउंडटेबल बैठक की।

शर्मा ने राउंड टेबल में चर्चा करते हुए कहा कि ग्रेनाइट और संगमरमर के प्रचुर भंडार के साथ-साथ, राजस्थान जस्ता, सीसा और चूना पत्थर का अग्रणी उत्पादक राज्य भी है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों और निवेशकों को खनिज प्रसंस्करण, डाउनस्ट्रीम उद्योगों और सस्टेनेबल माइनिंग में अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बालोतरा के शिवना रिंग कॉम्प्लेक्स में महत्वपूर्ण रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई) के भंडार की खोज के साथ, प्रदेश औद्योगिक विकास के एक नए युग की शुरुआत करने जा रहा है। यह भारत का पहला हार्ड रॉक आरईई ब्लॉक बन गया है। उन्होंने कहा कि यह खोज आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि यहां मिलने वाले 17 खनिज इलेक्ट्रिक वाहनों और उच्च तकनीक निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं। मुख्यमंत्री ने टेक्सटाइल और होजरी क्षेत्र के प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि राजस्थान देश का सबसे तेजी से उभरता टेक्सटाइल डेस्टीनेशन है। टेक्सटाइल सिटी के रूप में भीलवाड़ा ने राजस्थान को नई पहचान दी है।

बांग्लादेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विचार का भारत ने कड़ा विरोध किया है। पाकिस्तानी जनरल और सैन्य अधिकारी यह संकेत भी दे रहे हैं कि पाकिस्तान और बांग्लादेश मिलकर भारत के खिलाफ एक सुनियोजित युद्ध छेड़ सकते हैं। इस दृष्टि से पाकिस्तान यह धमकी दे रहा है कि भविष्य में भारत-पाक संघर्ष पूर्वी सीमा से शुरू हो सकता है और निर्णायक साबित हो सकता है। भारत की इस क्षेत्र में कुछ कमजोरियां हैं। अगर बांग्लादेश में पाकिस्तानी सैन्य उपस्थिति मजबूत होती है, तो यह उत्तर बंगाल की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन सकती है। खासकर "चिकन नैक" कहलाने वाले सिलीगुड़ी गलियारे के लिए, क्योंकि अगर यह गलियारा कट जाता है, तो भारत का पूर्वोत्तर राज्यों से सीधा संपर्क टूट जाएगा। अगर हालात ऐसे ही बने रहते हैं, तो पाकिस्तान समर्थित उग्रवादी संगठनों का बांग्लादेश में जमावड़ा भारत की शांति और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। इसलिए भारतीय सेना को अपनी पूर्वी सीमा की सुरक्षा और तैयारी को काफी हद तक मजबूत करना होगा, ताकि आने वाले समय में किसी भी गंभीर चुनौती का सामना किया जा सके। शायद, इसके लिए कुछ शुरुआती सक्रिय कदम अभी से उठाने जरूरी हैं।

जनसुराज पार्टी के मुखिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव अधिकारी ने बताया, किशोर बिहार के रोहतास जिले के सासाराम संसदीय क्षेत्र के कर्गहाड़ विधानसभा क्षेत्र में अपने पैतृक स्थान पर भी पंजीकृत हैं और उनका मतदान केन्द्र मध्य विद्यालय, कोनर है।

इस मामले पर बात करते हुए, चुनाव अधिकारी ने 1950 के जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 17 का हवाला दिया, जिसके अनुसार कोई व्यक्ति एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता के रूप में पंजीकृत नहीं हो सकता।

यदि कोई व्यक्ति अपने पते में परिवर्तन करता है, तो उसे नए स्थान पर अपने नाम को शामिल करने के लिए "फॉर्म 8" भरकर आवेदन करना होता है, जो यह घोषणा करता है कि वह अपना ठिकाना बदल चुका है और पहले के स्थान पर मतदाता सूची से अपने नाम को हटाने की सहमति देता है।

जब इस कथित अनियमितता के बारे में पूछा गया, तो जन सुराज पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता कुमार सौरभ सिंह ने कहा, "यह चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। उसने बिहार में एसआईआर की शुरुआत बहुत धूमधाम से की थी। इतने सारे नाम डिलीट कर दिए गए थे। आयोग प्रशांत किशोर जैसे नामी व्यक्ति के मामले में लापरवाही कर सकता है, तो आप कल्पना कर सकते हैं कि अन्य जगहों पर चुनाव आयोग की सतर्कता कैसी रही होगी।" हालांकि, उनसे पूछा गया कि क्या किशोर ने बिहार के मतदाता सूची में शामिल होने से पहले पश्चिम बंगाल से अपने नाम को हटाने का आवेदन किया था तो उन्होंने कहा, प्रशांत किशोर एक शिक्षित व्यक्ति हैं। उन्हें अपनी जिम्मेदारियों का अच्छा ज्ञान है। चलिए, चुनाव आयोग अगर यह सोचता है कि हमने कोई गलत काम किया है, तो वह हमसे संपर्क कर सकता है। हमारी कानूनी टीम इसका जवाब देगी।

इस बीच, बिहार में जहां किशोर का चुनावी राजनीति में प्रवेश दोनों प्रतिद्वंदी गठबंधनों को परेशान कर रहा है, दोनों ने जन सुराज पार्टी के नेता पर निशाना साधा।

जद (यू) के प्रवक्ता नीरज कुमार ने मीडिया से कहा, "यह हास्यास्पद है कि प्रशांत किशोर, जिनकी सभी संस्थाएँ दिल्ली में हैं और जो बिहार के रहने वाले हैं, ने पश्चिम बंगाल में मतदाता के रूप में पंजीकरण कराया। कब से चुनाव रणनीतिकार बनने के लिए आपको उस राज्य में मतदाता होना आवश्यक हो गया, जहां आप अपनी सेवाएं दे रहे हैं?" जद (यू) नेता ने आगे कहा, "हमें संदेह है कि किशोर ने ममता बनर्जी के साथ कोई समझौता करने की कोशिश की थी कि 2021 के चुनावों में उनकी जीत के बाद वे उन्हें राज्यसभा में भेजेंगी। उच्च सदन का सदस्य बनने के लिए उन्हें उस राज्य का निवासी होना पड़ता था। लेकिन तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने मुख्यमंत्री के रूप में लौटने के बाद शायद उन्हें नज़रअंदाज कर दिया। इसलिए गुस्से में आकर, उन्होंने राजनीतिक सलाहकार के व्यवसाय से "सेवानिवृत्त" होने का नाटक किया।

भाजपा ने भी कहा, यह कोई छोटी चूक नहीं, बल्कि एक घिनौना अपराध है।

भाजपा ने चुनाव आयोग से किशोर के खिलाफ तत्काल और कठोर जांच की मांग की।

राजद के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा, "यह घटना पूरी तरह से एसआईआर नाम के पाखंड का पर्दाफाश करती हे, जो पहले बिहार में चलाया गया और अब यह देश भर में चलाया जा रहा है। सत्तारूढ़ एनडीए के कई नेता एक से अधिक स्थानों पर मतदाता के रूप में पंजीकृत पाए गए। अब, प्रशांत किशोर, जिन पर हमें संदेह है कि वे एनडीए की मदद कर रहे है, इस सूची में शामिल हो गए हैं। उन्हें इसका स्पष्टीकरण देना चाहिए।"

क्या ट्रंप और शी जिनपिंग की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पारिस्थितिकी प्रणालियों के बढ़ते विभाजन से चिह्नित है। ट्रंप के लिए, यह एक अवसर है अमेरिका की नेतृत्व क्षमता और प्रभाव को फिर से स्थापित करने का, जबकि शी के लिए, जो आर्थिक मंदी और घरेलू अशांति का सामना कर रहे हैं, यह एक शक्ति परीक्षण है-यह एक अवसर है यह दिखाने का कि चीन वॉशिंगटन के बराबर एक कूटनीतिक शक्ति बना हुआ है।

बातचीत का दायरा व्यापार से आगे बढ़ सकता है, इसमें उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे एआई, सेमीकंडक्टर्स, और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर नियंत्रण की चर्चा होगी। इसका परिणाम यह तय कर सकता है कि अमेरिकी या चीनी मानक इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में हावी होंगे। भारत के लिए, जो अपनी सेमीकंडक्टर और डिजिटल संप्रभुता की संरचना बना रहा है, बुसान के संकेत महत्वपूर्ण होंगे। एक प्रौद्योगिकी डिटेंट निवेशों के लिए प्रतिस्पर्धा को बढ़ा सकता है, जबकि गहरी अपवर्तन भारत को एक तटस्थ डिजिटल हब के रूप में अपनी स्थिति को सुदृढ़ करने का अवसर दे सकती है, जो पूर्व और पश्चिम के बीच सेतु का कार्य करे।

सुरक्षा मुद्दे भी महत्वपूर्ण होंगे। दक्षिण चीन सागर में समुद्री तनाव, क्रॉस-स्टेट अस्थिरता, और यूक्रेन युद्ध सभी संभावित विषय हैं। किसी भी अमेरिकी-चीन समझौते से नौसैनिक संचालन पर प्रभाव पड़ सकता है, जो भारत की अपनी भूमिका को क्वाड में और इंडो-पैसिफिक रणनीति में प्रभावित कर सकता है। अगर ट्रंप शी से रूस के साथ रिश्तों को सीमित करने का दबाव डालते हैं, तो बीजिंग कहीं और प्रभाव बनाने की कोशिश कर सकता है, शायद भारत के खिलाफ सीमा पर अपनी स्थिति मजबूत करने या तनाव कम करने के लिए कुछ संकेत दे सकता है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था इस टकराव की पृष्ठभूमि है। महामारी के बाद के विघटन, महंगाई, और संघर्षों ने स्थिरता को नष्ट कर दिया है। चीन की वृद्धि मंद पड़ रही है और पश्चिमी अर्थव्यवस्थाएं संघर्ष कर रही हैं, ट्रंप और शी आर्थिक मार्गों के दो भिन्न रास्तों का प्रतिनिधित्व करते हैं-एक संरक्षणवादी और दूसरा राज्य-निर्देशित। बुसान में उनका रुख वैश्विक व्यापार में पूर्वानुमान की क्षमता को पुनः स्थापित कर सकता है या इसे और अधिक विभाजित कर सकता है।

भारत के लिए, इस शिखर सम्मेलन का परिणाम अवसर और जोखिम का संतुलन निर्धारित करेगा। नई दिल्ली की चुनौती यह है कि वह रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए दोनों शिविरों के लिए अपरिहार्य बने रहे। इस प्रकार, बुसान की बैठक केवल एक कूटनीतिक तमाशा नहीं है, यह इस बात की परीक्षा है कि क्या दुनिया की दो महाशक्तियां प्रतिस्पर्धा को बिना टूटने के नियंत्रित कर सकती हैं, और क्या भारत इसे रणनीतिक लाभ में बदल सकता है, जब महान शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा फिर से प्रकट हो रही है।

'ग्रेट फ्लॉप को महासफलता कैसे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सूत्रों के अनुसार, गहलोत के पास इसका कोई जवाब नहीं था और उन्होंने कहा कि इसमें कोई समस्या नहीं है।

अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, गहलोत कांग्रेस के लिए कोई डील प्राप्त नहीं कर पाए और इसके बजाय, वे पूरी तरह से विफल साबित हुए। जब वीआईपी के नेता सहनी को उपमुख्यमंत्री घोषित किया गया, तब भी गहलोत कांग्रेस के लिए उपमुख्यमंत्री का पद नहीं दिला सके। कांग्रेस और आरजेडी के बीच 8 सीटों पर दोस्ताना संघर्ष चल रहा था, लेकिन गहलोत आरजेडी से इन सीटों से अपने उम्मीदवारों को वापस लेने के लिए नहीं कह पाए। असल में गहलोत ने कुछ नहीं किया, सिवाय लालू यादव के सामने समर्पण करने के, और वे कांग्रेस के लिए कोई अच्छी खबर नहीं ला सके। जब तेजस्वी को महागठबंधन का चेहरा घोषित किया गया, तो अल्लुवेरा कहीं भी नजर नहीं आए, बल्कि वे दूर कहीं कोने में थे।

मैनिफेस्टो रिलीज़ के दौरान भी वे कहीं दिखाई नहीं दिए।

गहलोत का प्रचार और मीडिया मशीनरी नई दिल्ली से जयपुर, पटना तक ओवरटाइम काम कर रही है यह बताने के लिए कि उन्होंने एक शानदार काम किया है, कांग्रेस और आरजेडी के बीच गतिरोध को हल किया, वे सोनिया और राहुल गांधी की नज़रों में फिर से चढ़ गए हैं और बिना उनके यह समस्या नहीं सुलझ सकती थी। उनके प्रियजन ट्वीट कर रहे हैं और इस बात पर लिख रहे हैं कि उन्होंने एक कठिन स्थिति को कैसे संभाला, जबकि वेणुगोपाल ने उन्हें तब बुलाया, जब अल्लुवेरा, यादव नेतृत्व और कांग्रेस पार्टी के बड़े हिस्से को नाराज कर चुके थे। इसके अलावा, गहलोत द्वारा सोशल मीडिया पर एक प्रोपेगेंडा चलाया गया है कि सोनिया गांधी अब उनसे सीधे टेलीफोनिक संपर्क में हैं और उन्होंने सोनिया से कहा है कि वे उनसे सीधे बात करें और उन्हें निर्देश दें। कांग्रेस के आंतरिक मामलों के जानकार एक बड़े नेता ने कहा कि कांग्रेस में भ्रम और आपसी निर्णयों की स्थिति आगामी चुनावों में कांग्रेस के लिए शुभ संकेत नहीं है।

'नीतीश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव बाद गठबंधन की संभावना पर पर्दे के पीछे बातचीत शुरू कर दी है।

अगर अतीत को भविष्य का संकेतक माना जाए, तो नीतीश कुमार की वापसी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। अतीत में जब-जब उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर या खत्म मान लिया गया, तब-तब वे पहले से ज्यादा ताकतवर रुप में सामने आये हैं।

'गलती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बाद चुनाव आयोग ने सब कुछ ठीक होने का दावा किया था, फिर अनियमितता क्यों मिल रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं के नाम काटने की कोशिश की गयी, डराया गया और यदि उनका नाम दो जगहों पर दर्ज था तो उसे काट कर हटाया क्यों नहीं गया।

उन्होंने कहा कि बीच के समय में वे दो साल तक बंगाल में थे, तब उनका नाम वहां की मतदाता सूची में था , लेकिन 2019 से उनका नाम बिहार में करगहर विधानसभा के मतदाता के रूप में है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908